॥ श्रीचित्रापुर मठ त्रिशती समूह गीत ॥

गुरुदेवों की अमर शक्ति से निकले प्रेम प्रवाह की जय हो
गुरुपरम्परा स्थित भक्ति गर्व से उमड रहे उत्साह की जय हो
भवानीशङ्कर अनुग्रहित चित्रापुर मठ संस्थान की जय हो
विद्या विनय विवेक समन्वित सरस्वती सन्तान की जय हो
सारस्वत समाज की जय हो
सरस्वती सन्तान की जय हो
जय हो, जय हो, जय हो

अन्तरा

दिव्य ज्योति हर दिल में जगाकर मठ की कीर्ति बढाते रहेंगे
गुरु आज्ञा पर नतमस्तक हो साधना पथ पर बढते रहेंगे
भ्रान्ति भंवर से बचानेवाले
नाव को पार लगानेवाले
हम सब के गुरुराज की जय हो

Lyrics composed by Smt Shailajā Gāṅguly
Music composed by Smt Meerā Balsāver
Music Arranging done by Shrī Yeshwant Moolky

© Shrī Chitrāpur Math. All rights reserved
Shrī Chitrāpur Math, Shirālī, Uttara Kannaḍa, Karnāṭaka - 581354, India
www.chitrapurmath.net